आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार एकांश
देहरादून (उत्तराखण्ड)

सोमवार 18.11.2024 समय 1305

मुख्य समाचार :–

- केदारनाथ विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रचार का आज अंतिम दिन। 20 नवंबर को होगा मतदान।
- उत्तराखंड परिवहन निगम की 194 बीएस–थ्री और बीएस–फोर बसों का दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के कारण प्रवेश बंद।
- नैनीताल उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी ने कहा– न्यायपालिका का मकसद लोगों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना है।
- देहरादून शहर में बाल भिक्षावृत्ति पर रोक के लिए जिलाधिकारी सविन बंसल ने माइक्रो प्लान को अनुमोदन दिया।

उपचुनाव

केदारनाथ विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रचार आज शाम थम जाएगा। सभी राजनीतिक दलों के नेता, मतदाताओं को लुभाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। भाजपा–कांग्रेस विभिन्न स्थानों पर जनसभाओं का आयोजन कर अपनी पार्टी के प्रत्याशियों का प्रचार कर रहे हैं। इस बीच, केदारनाथ विधानसभा उप निर्वाचन को सफलतापूर्वक संपादित कराने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक विनोद शेषन और पुलिस प्रेक्षक जी०आर० राधिका की उपस्थिति में एनआईसी कक्ष में 173 बूथों के लिए 191 पोलिंग पार्टियों का रिजर्व सहित तीसरा रेंडमाईजेशन किया गयज्ञं वहीं, चुनाव में मतदान के लिए वोटरों को जागरूक किया जा रहा है। रुद्रप्रयाग में जिला आइकॉन लखपत सिंह राणा द्वारा केदारनाथ विधानसभा के गांवों में पारंपरिक वाद्य यन्त्रों के साथ मतदाताओं को जागरूक किया। गौरतलब है कि केदारनाथ विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए बीस नवम्बर को वोट डाले जांएगे और तेईस नवम्बर को मतगणना की जाएगी।

वायु गुणवत्ता सुधार

देहरादून वासियों के लिए अच्छी ख़बर है। राजधानी की वायु गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। देहरादून की आवोहवा आज संतोषजनक श्रेणी में बनी हुई है। राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक– ए०क्यू०आई आज 72 दर्ज किया गया है। गौरतलब कि पिछले करीब दस दिनों से देहरादून की वायु गुणवत्ता ''खराब'' श्रेणी में थी और एक समय इसके ''बहुत खराब'' श्रेणी में जाने की आशंका जताई जा रही थी। इस बीच, प्रदेशभर में ठंड में बढोतरी हो रही है। राज्य के मैदानी क्षेत्रों में भी अब ठंड महसूस की जा रही है। हालांकि पिछले लंबे समय से अधिकतर स्थानों पर बारिश नहीं हुई है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी मौसम साफ बना रहेगा।

प्रवेश रोक

उत्तराखंड परिवहन निगम की 194 बीएस–थ्री और बीएस–फोर बसों का दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के कारण प्रवेश बंद हो गया है। दिल्ली रूट की बसें बंद होने से यात्रियों को परेशानियां उठानी पड़ रही हैं। गढ़वाल और कुमाऊं से रोजाना 400 से ज्यादा बसें दिल्ली रूट पर चलती हैं। दिल्ली में बीएस–फोर की बसें बंद होने से उत्तराखंड रोडवेज को रोजाना औसतन 30 लाख रुपये का तक नुकसान होने का अनुमान है। हालांकि उत्तराखंड की 269 बसें दिल्ली जा सकती हैं। इनमें 180 सीएनजी, 12 बीएस–6 वॉल्वो, 77 नई बीएस–6 साधारण बसें हैं। 53 नई बसें भी आने वाली हैं। इन बसों का संचालन एक सप्ताह में शुरू किया जाएगा। ग्रामीण डिपो के एसएसआई, ने कहा कि यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जायेगी। इसके लिए पूरी व्यवस्था कर दी गई है। बीएस–6 और सीएनजी बसों को दिल्ली के लिए लगाया गया है।

भू–कानून

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा है कि नया सख्त भू–कानून आगामी बजट सत्र में लाया जाएगा। नए भू–कानून के साथ ही सरकार मौजूदा भू–कानून को भी सख्ती से लागू करवा रही है। उन्होंने कहा कि जिन भी स्थानों पर जमीन की खरीद में गड़बड़ी हुई हैं, वहां कार्रवाई की जा रही है और यह आगे भी जारी रहेगी। मुख्य सचिव ने कहा कि जमीन खरीद के बड़े मामलों के साथ ही 250 वर्ग मीटर जमीन खरीद का उल्लंघन करने वालों पर भी सख्ती से कार्रवाई होगी।

बहुउद्देशीय शिविर

नैनीताल उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी की अध्यक्षता में टिहरी जिले के जय किसान इंटर कालेज, रोड़धर में बहुउद्देशीय विधिक सेवा और जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इस मौके पर कार्यवाहक मुख्य न्याधीश ने कहा कि न्यायपालिका का मकसद लोगों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से दूरदराज क्षेत्रों में लोगों को कानून की जानकारी देने के साथ ही राज्य की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने का महत्वपूर्ण प्रयास किया जा रहा है। वहीं, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव प्रदीप कुमार मानी ने बताया कि शिविर का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि पूरे राज्य में इस तरह के शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

बाल भिक्षावृत्ति

देहरादून शहर में बाल भिक्षावृत्ति पर रोक के लिए जिलाधिकारी सविन बंसल ने भिक्षावृत्ति से रेस्क्यू किये जाने वाले बच्चों के लिए तैयार किए गए माइक्रो प्लान को अनुमोदन दे दिया है। अब रेस्क्यू किये जाने वाले बच्चों को गहन देखभाल आश्रय में उचित माहौल उपलब्ध करवाया जाएगा। इसके लिए तीन सामाजिक संगठनों से अनुबंध भी कर लिया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में भिक्षावृत्ति करता जो भी बच्चा नजर आए उसे तत्काल गहन देखभाल आश्रय स्थल पहुंचाने के साथ ही उसे निकटतम स्कूल में दाखिल दिलाया जाए। मुख्य शिक्षा अधिकारी ने बताया कि साधुराम इंटर कॉलेज में गहन देखभाल आश्रय स्थल का निर्माण शुरू कर दिया गया है और जल्द ही पूरा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि आश्रय स्थल में बच्चों के लिए खेल सुविधाओं का भी विकास किया जा रहा है।

कपाट बंद

चमोली जिले में स्थित बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल में श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए गए हैं। कल रात नौ बजकर सात मिनट पर पूरे विधि–विधान के साथ बदरीनाथ धाम के कपाट बंद किए गए। इस अवसर पर मंदिर को 15 टन गेंदे के फूलों से सजाया गया था। ठंड बढ़ने के बावजूद कपाट बंद होने के मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। इस दौरान सिंह द्वार परिसर में गढ़वाल स्काउट बैण्ड की भक्ति धुनों और श्रद्धालुओं के जय बदरी विशाल के जयकारों से बदरीनाथ धाम गूंज उठा।
कपाट बंद होने के बाद श्री उद्धव जी और श्री कुबेर जी की उत्सव विग्रह डोली योग बदरी पांडुकेश्वर के लिए रवाना हो गई है। साथ ही आदि गुरु शंकराचार्य जी की गद्दी नर्सिंग मंदिर, जोशीमठ के लिए रवाना हो रही है।

इस वर्ष बदरीनाथ धाम में चौदह लाख पच्चीस हजार से अधिक तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए हैं। बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने के साथ ही इस वर्ष की चारधाम यात्रा शीतकाल के लिए बंद कर दी गई है। गौरतलब है कि 10 मई से शुरू हुई चारधाम यात्रा में इस वर्ष 45 लाख 50 हजार से अधिक तीर्थयात्रियों ने केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन किए।

निकाय चुनाव

उत्तराखंड में निकाय चुनाव होने हैं, जिसके लिए सरकार तैयारी कर रही है। शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि निकाय चुनाव में आरक्षण को लेकर अभी मंथन चल रहा है। इसके बाद चुनाव की तिथि तय कर दी जाएगी। साथ ही दिसंबर माह के अंत तक निकाय चुनाव कराए जा सकते हैं। इस पर सरकार की मंशा भी साफ है।

निःशुल्क पुस्तकें

प्रदेश के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों को अगले शैक्षिक सत्र में संस्कृत और आपदा प्रबंधन की पुस्तकें निःशुल्क उपलब्ध करवाई जाएंगी। शिक्षा महानिदेशक झरना कमठान ने बताया कि राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद ने कक्षा नौ और दस के लिए संस्कृत और आपदा प्रबंधन की पुस्तकें तैयार कर ली है। कक्षा ग्यारह के लिए संस्कृत की पुस्तकों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।